उपसर्ग-प्रत्यय
(Prefixes-Suffixes)

05

शब्द-रचना (Word-formation)

➢ वर्णों के सार्थक समूह को 'शब्द' कहते हैं।

➢ व्युत्पत्ति के आधार पर शब्द के तीन भेद होते हैं—रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ । मूलतः शब्द के दो ही भेद होते हैं—रूढ़ और यौगिक। योगरूढ़ अर्थ की दृष्टि से रूढ़ होता है। रचना की दृष्टि से यौगिक और योगरूढ़ समान होते हैं। रूढ़ के हम खंड नहीं कर सकते हैं, अतः रचना में यौगिक ही रह जाते है जिनसे हम शब्द-रचना कर सकते हैं।

➢ यौगिक शब्दों की रचना तीन प्रकार से होती है— उपसर्ग से, प्रत्यय से और समास से।

उपसर्ग से :	अति	+	अंत	=	अत्यंत
	↓		↓		↓
	उपसर्ग		मूल शब्द/धातु		यौगिक शब्द
प्रत्यय से :	लेन	+	दार	=	लेनदार
	↓		↓		↓
	मूल शब्द		प्रत्यय		यौगिक शब्द
समास से :	प्रति	+	दिन	=	प्रतिदिन
	↓		↓		↓
	शब्द		शब्द		यौगिक शब्द

➢ कभी-कभी एक ही मूल शब्द में उपसर्ग एवं प्रत्यय दोनों का प्रयोग होता है; जैसे—

स्व	+	तंत्र	+	ता	=	स्वतंत्रता
↓		↓		↓		
उपसर्ग		मूल शब्द		प्रत्यय		

➢ कभी-कभी दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग किया जाता है; जैसे—

समझ	+	दार	+	ई	=	समझदारी
↓		↓		↓		
मूल शब्द		प्रत्यय		प्रत्यय		

उपसर्ग (Prefixes)

➢ उपसर्ग = उप *(समीप)* + सर्ग *(सृष्टि करना)* का अर्थ है— किसी शब्द के समीप आ कर नया शब्द बनाना।

➢ जो शब्दांश शब्दों के आदि में जुड़ कर उनके अर्थ में कुछ विशेषता लाते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

'हार' शब्द का अर्थ है पराजय। परंतु इसी शब्द के आगे 'प्र' शब्दांश को जोड़ने से नया शब्द बनेगा— 'प्रहार' *(प्र + हार)* जिसका अर्थ है चोट करना। इसी तरह 'आ' जोड़ने से आहार *(भोजन)*, 'सम्' जोड़ने से संहार *(विनाश)* तथा 'वि' जोड़ने से 'विहार' *(घूमना)* इत्यादि शब्द बन जाएँगे।

उपर्युक्त उदाहरण में 'प्र', 'आ', 'सम्' और 'वि' का अलग से कोई अर्थ नहीं है, परंतु 'हार' शब्द के आदि में जुड़ने से उसके अर्थ में इन्होंने परिवर्तन कर दिया है। इसका मतलब हुआ कि ये सभी शब्दांश हैं और ऐसे शब्दांशों को उपसर्ग कहते हैं।

हिंदी में प्रचलित उपसर्गों को निम्नलिखित भागों में विभाजित किया जा सकता है—

1. संस्कृत के उपसर्ग (संख्या–22)
2. हिंदी के उपसर्ग (संख्या–13),
3. उर्दू और फारसी के उपसर्ग (संख्या–19),
4. अंग्रेजी के उपसर्ग
5. उपसर्ग के समान प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय।

1. संस्कृत के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
अति-	अधिक	अत्यधिक, अत्यंत, अतिरिक्त, अतिशय
अधि-	ऊपर, श्रेष्ठ	अधिकार, अधिपति, अधिनायक
अनु-	पीछे, समान	अनुचर, अनुकरण, अनुसार, अनुशासन
अप-	बुरा, हीन	अपयश, अपमान, अपकार
अभि-	सामने, चारों ओर, पास	अभियान, अभिषेक, अभिनय, अभिमुख
अव-	हीन, नीच	अवगुण, अवनति, अवतार, अवतरण
आ-	तक, समेत	आजीवन, आगमन, आरक्षण, आक्रमण
उत्-	ऊँचा, श्रेष्ठ, ऊपर	उत्कर्ष, उत्तम, उत्पत्ति
उद्-	ऊपर, उत्कर्ष	उद्गम, उद्भव
उप-	निकट, सदृश, गौण	उपदेश, उपवन, उपमंत्री, उपहार
दुर्-	बुरा, कठिन	दुर्जन, दुर्गम, दुर्दशा, दुराचार
दुस्-	बुरा, कठिन	दुश्चरित्र, दुस्साहस, दुष्कर
निर्-	बिना, बाहर, निषेध	निरपराध, निर्जन, निराकार, निर्गुण
निस्-	रहित, पूरा, विपरीत	निस्सार, निस्तार, निश्चल, निश्चित
नि-	निषेध, अधिकता, नीचे	निवारण, निपात, नियोग, निषेध
परा-	उल्टा, पीछे	पराजय, पराभव, परामर्श, पराक्रम
परि-	आसपास, चारों तरफ	परिजन, परिक्रम, परिपूर्ण, परिमाण
प्र-	अधिक, आगे	प्रख्यात, प्रबल, प्रस्थान, प्रकृति
प्रति-	उलटा, सामने, हर एक	प्रतिकूल, प्रत्यक्ष, प्रतिक्षण, प्रत्येक
वि-	भिन्न, विशेष	विदेश, विलाप, वियोग, विपक्ष
सम्-	उत्तम, साथ, पूर्ण	संस्कार, संगम, संतुष्ट, संभव
सु-	अच्छा, अधिक	सुजन, सुगम, सुशिक्षित, सुपात्र

2. हिन्दी के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
अ-	अभाव, निषेध	अछूता, अथाह, अटल
अन-	अभाव, निषेध	अनमोल, अनबन, अनपढ़
क-	बुरा, हीन	कपूत, कचोट
कु-	बुरा	कुचाल, कुचैला, कुचक्र
दु-	कम, बुरा	दुबला, दुलारा, दुधारू
नि-	कमी	निगोड़ा, निडर, निहत्था, निकम्मा
औ/अव-	हीन, निषेध	औगुन, औघर, औसर, औसान
भर-	पूरा	भरपेट, भरपूर, भरसक, भरमार
सु-	अच्छा	सुडौल, सुजान, सुघड़, सुफल
अध-	आधा	अधपका, अधकच्चा, अधमरा, अधकचरा
उन-	एक कम	उनतीस, उनचालीस, उनसठ, उनहत्तर
पर-	दूसरा, बाद का	परलोक, परोपकार, परसर्ग, परहित
बिन-	बिना, निषेध	बिनब्याहा, बिनबादल, बिनपाए, बिनजाने

3. अरबी-फ़ारसी के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
अल-	निश्चित	अलबत्ता, अलगरज
कम-	थोड़ा, हीन	कमजोर, कमबख़्त, कमअक्ल
खुश-	अच्छा	खुशनसीब, खुशखबरी, खुशहाल, खुशबू
ग़ैर-	निषेध	ग़ैरहाजिर, ग़ैरकानूनी, ग़ैरमुल्क, ग़ैर-जिम्मेदार
दर-	में	दरअसल, दरहकीकत
ना-	अभाव	नापसंद, नासमझ, नाराज, नालायक
फिल/फी-	में, प्रति	फिलहाल, फीआदमी
ब-	और, अनुसार	बनाम, बदौलत, बदस्तूर, बगैर
बा-	सहित	बाकायदा, बाइज़्ज़त, बाअदब, बामौका
बद-	बुरा	बदमाश, बदनाम, बदकिस्मत, बदबू
बर-	ऊपर, पर, बाहर	बरदाश्त, बरखास्त
बे-	बिना	बेईमान, बेइज्जत, बेचारा, बेवकूफ
बिल-	के साथ	बिलआख़िर, बिलकुल, बिलवजह
बिला-	बिना	बिलावजह, बिलाशक
ला-	रहित	लापरवाह, लाचार, लावारिस, लाजवाब
सर-	मुख्य	सरताज, सरदार, सरपंच, सरकार
हम-	समान, साथवाला	हमदर्दी, हमराह, हमउम्र, हमदम
हर-	प्रत्येक	हरदिन, हरसाल, हरएक, हरबार

4. अंग्रेज़ी के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
सब-	अधीन, नीचे	सब-जज, सब-कमेटी, सब-इंस्पेक्टर
डिप्टी-	सहायक	डिप्टी-कलेक्टर, डिप्टी-रजिस्ट्रार, डिप्टी-मिनिस्टर
वाइस-	सहायक	वाइसराय, वाइस-चांसलर, वाइस-प्रेसीडेंट
जनरल-	प्रधान	जनरल मैनेजर, जनरल सेक्रेटरी
चीफ़-	प्रमुख	चीफ़-मिनिस्टर, चीफ़-इंजीनियर, चीफ़-सेक्रेटरी
हेड-	मुख्य	हेडमास्टर, हेड क्लर्क

5. उपसर्ग के समान प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
अधः-	नीचे	अधःपतन, अधोगति, अधोमुखी, अधोलिखित
अंतः-	भीतरी	अंतःकरण, अंतःपुर, अंतर्मन, अंतर्देशीय
अ-	अभाव	अशोक, अकाल, अनीति
चिर-	बहुत देर	चिरंजीवी, चिरकुमार, चिरकाल, चिरायु
पुनर्-	फिर	पुनर्जन्म, पुनर्लेखन, पुनर्जीवन
बहिर्-	बाहर	बहिर्गमन, बहिर्जगत्
सत्-	सच्चा	सज्जन, सत्कर्म, सदाचार, सत्कार्य
पुरा-	पुरातन	पुरातत्व, पुरावृत्त
सम-	समान	समकालीन, समदर्शी, समकोण, समकालिक
सह-	साथ	सहकार, सहपाठी, सहयोगी, सहचर

प्रत्यय (Suffixes)

- प्रत्यय = प्रति *(साथ में पर बाद में)* + अय *(चलनेवाला)* शब्द का अर्थ है पीछे चलना।
- जो शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन ला देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं; जैसे—दयालु = दया शब्द के अंत में आलु जुड़ने से अर्थ में विशेषता आ गई है। अतः यहाँ 'आलु' शब्दांश प्रत्यय है।
- प्रत्ययों का अपना अर्थ कुछ भी नहीं होता और न ही इनका प्रयोग स्वतंत्र रूप से किया जाता है।
- प्रत्यय के दो भेद हैं—1. कृत् प्रत्यय, 2. तद्धित प्रत्यय
- वे प्रत्यय जो क्रिया के मूल रूप यानी धातु *(root word)* में जोड़े जाते हैं, कृत प्रत्यय कहलाते हैं। कृत् प्रत्यय से बने शब्द कृदन्त *(कृत् + अंत)* शब्द कहलाते हैं। जैसे—लिख् + अक = लेखक। यहाँ अक कृत् प्रत्यय है तथा लेखक कृदन्त शब्द है।
- वे प्रत्यय जो क्रिया के मूल रूप यानी धातु को छोड़कर अन्य शब्दों—संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण व अव्यय—में जुड़ते हैं, तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। तद्धित प्रत्यय से बने शब्द तद्धितांत शब्द कहलाते हैं। जैसे—सेठ + आनी = सेठानी। यहाँ आनी तद्धित प्रत्यय है तथा सेठानी तद्धितांत शब्द है।
- इस प्रकार कृत् और तद्धित प्रत्यय में मूल अंतर यह है कि कृत् प्रत्यय धातुओं में लगते हैं, जबकि तद्धित प्रत्यय धातुभिन्न शब्दों में लगते हैं।
- दोनों प्रत्ययों में समानता यह है कि दोनों प्रकार के प्रत्ययों से बननेवाले शब्द संज्ञा या विशेषण होते हैं।
- हिन्दी के प्रायः सभी कृत् एवं तद्धित प्रत्यय संस्कृत के कृत् एवं तद्धित प्रत्ययों से ही विकसित हुए हैं।

1. हिन्दी के कृत् प्रत्यय (Primary Suffixes)

प्रत्यय	मूल शब्द/धातु	उदाहरण
–अक्कड़	घूम, पी, बूझ, भूल	घुमक्कड़, पियक्कड़, बुझक्कड़, भुलक्कड़
–अन्त/अन्तू	भिड़, रट; उड़, घूम	भिड़न्त, रटन्त; उड़न्तू, घुमन्तू
–आ	घेर, छाप, ठेल, झूल	घेरा, छापा, ठेला, झूला
–आई	छा, धो, पढ़, सी	छवाई, धुलाई, पढ़ाई, सिलाई
–आऊ	टिक, बिक	टिकाऊ, बिकाऊ
–आक/आका/आकू/अंकू	तैर; उड़; लड़; लड़	तैराक; उड़ाका; लड़ाकू; लड़ंकू
–आन	चढ़, ढल, धस, भस	चढ़ान, ढलान, धसान, भसान
–आप/आपा	मिल; पूजा	मिलाप; पुजापा
–आव/आवा	घूम, चुन, दब, बह; छल, बढ़	घुमाव, चुनाव, दबाव, बहाव; छलावा, बढ़ावा
–आवट	थक, रोक, लिख, सजा	थकावट, रुकावट, लिखावट
–आवन/आवना/आवनी	मनभा, सुहा; डरा, लुभा; चेता	मनभावन, सुहावन; डरावना, लुभावना; चेतावनी
–आहट	घबरा, चिकना, चिल्ला, जगमग	घबराहट, चिकनाहट, चिल्लाहट, जगमगाहट
–इयल	अड़, मर, सड़	अड़ियल, मरियल, सड़ियल
–ई	छूट, बोल, हँस; टाँक, फाँस; परख	छुट्टी, बोली, हँसी; टाँकी, फाँसी; पारखी
–इया	घट, जड़, धुन, बढ़, भूँज	घटिया, जड़िया, धुनिया, बढ़िया, भुँजिया
–उआ	टहल, तर, पढ़	टहलुआ, तरुआ, पढुआ
–ऊ	कमा, खा, चाल, रट	कमाऊ, खाऊ, चालू, रट्टू
–एरा	बस, लूट	बसेरा, लुटेरा
–ऐत	फेंक, लड़	फेंकैत, लड़ैत
–ऐया	काट, बचा, बाँट, रच	कटैया, बचैया, बटैया, रचैया
–ऐल	बिगड़, रख	बिगड़ैल, रखैल
–ओड़/ओड़ा	चाट, हँस; चाट, हँस	चटोर, हँसोड़; चटोरा, हँसोड़ा
–औता/औती	समझा; चुन, मान	समझौता; चुनौती, मनौती
–औना/औनी	खेल, घिना; ठहरा, पहर	खिलौना, घिनौना; ठहरौनी, पहरौनी
–औवल	फोड़, बूझ, मना, मींच	फुड़ौवल, बुझौवल, मनौवल, मिचौवल
–क/की	उठ, बैठ; डूब, फिर	उठक, बैठक; डुबकी, फिरकी
–त/ता/ती	खप, बच, रँग; पढ़, लिख; घट, बढ़	खपत, बचत, रँगत; पढ़ता, लिखता; घटती, बढ़ती
–न/ना/नी	खा, जमा, धड़क, लगा; छान, नाप; काट, चाट, छाँट, सूँघ	खान, जामन, धड़कन, लगान, छनना, नपना; कटनी, चटनी, छँटनी, सुँघनी

प्रत्यय	मूल शब्द/धातु	उदाहरण
–वैया	खा, खे, गा, रख	खवैया, खेवैया, गवैया, रखवैया
–हा	काट	कटहा

2. हिन्दी के तद्धित प्रत्यय (Nominal Suffixes)

प्रत्यय	शब्द	उदाहरण
–आ	भूख, प्यास, खार, प्यार; कड़ू, बाबू, बेटी, मुट्ठी; आप, डाकू	भूखा, प्यासा, खारा, प्यारा; कड़ुवा, बबुआ, बिटिया, मुठिया
–आईद	चिरा (चिता), विष, सड़ा	चिरायँद, विषाईंद, सड़ाईंद
–आई	अच्छा, खट्टा, मीठा, लाल	अच्छाई, खटाई, मिठाई, ललाई
–आऊ	घर, पण्डित	घराऊ, पण्डिताऊ
–आक/आका	चट, तड़, भड़, सड़; कड़, धम, सन	चटाक, तड़ाक, भड़ाक, सड़ाक; कड़ाका, धमाका, सनाका
–आटा	खर, फर	खर्राटा, फर्राटा
–आन/आनी	ऊँचा, चौड़ा, लम्बा; देवर, नौकर	ऊँचान, चौड़ान लम्बान; देवरानी, नौकरानी
–आयत	अपना, बहुत	अपनायत, बहुतायत
–आर/आरा/आरी	दूध, सोना; घास, भट्ठी; पूजा, भीख	दुधार, सोनार; घसियारा, भठियारा; पुजारी, भिखारी
–आलू	झगड़ा, लज्जा	झगड़ालू, लजालू
–आव	मोटा	मुटाव
–आस	खट्टा, मीठा	खटास, मिठास
–आहट/आहत	कड़ुवा, गरम, चिकना; भलमानस	कड़ुवाहट, गरमाहट, चिकनाहट; भलमनसाहत
–इन	जोगी, तेली, माली	जोगिन, तेलिन, मालिन
–इम	रक्त, स्वन, स्वर्ण	रक्तिम, स्वनिम, स्वर्णिम
–इयल	तोंद, दाढ़ी	तोंदियल, दढ़ियल
–इया	आढ़त, रसोई; आसाम, कन्नौज; अंग, जाँघ, आम, खाट, पुल, बूँद	अढ़तिया, रसोइया; असमिया, कन्नौजिया; अँगिया, जँघिया; अमिया, खटिया, पुलिया, बुँदिया
–इयाली	खुश, हरा	खुशियाली, हरियाली
–ई	अगूठा, कंठ, चैत, बिहार, लखनऊ, हलवा, सरकार; घूँट, वैद्य	अँगूठी, कंठी, चैती, बिहारी, लखनवी, हलवाई, सरकारी; घूँटी (घुट्टी), बैदई
–ईला	खर्च, गोबर, छवि, जहर, नोक, पत्थर, पानी, फुर्ती, रंग, रस, रेत, शर्म, सुर, हठ	खर्चीला, गुबरीला, छबीला, जहरीला, नुकीला, पथरीला, पनीला, फुर्तीला, रँगीला, रसीला, रेतीला, शर्मीला, सुरीला, हठीला
–उआ	आगे, गेर, फाग, मच्छ, शहर	अगुआ, गेरुआ, फगुआ, मछुआ, शहरुआ
–ऊ	गरज, ढाल, नाक, पीठ, पेट, हित	गरजू, ढालू, नक्कू, पेटू, हितू
–ए	धीरा, पीछा, बदला, लेखा, सामना	धीरे, पीछे, बदले, लेखे, सामने
–एर/एरा	अंध, घन, चाचा, फूफा, मामा, मच्छ, साँप	अंधेर, घनेरा, चचेरा, फुफेरा, ममेरा, मछेरा, सँपेरा
–एरी/एड़ी	पूजा, भाँग; गाँजा	पुजेरी, भँगेरी; गँजेड़ी
–एला	आधा, मोर	अधेला, मुरेला
–एलू	घर	घरेलू
–ऐत	डाका, बरछा, भाला, लाठी	डकैत, बरछैत, भालैत, लठैत
–ऐल/ऐला	खपरा, गुस्सा, दूध, मूँछ; विष	खपरैल, गुस्सैल, दूधैल, मुँछैल; विषैला
–ओट/ओटा	लिंग; चाम	लंगोट; चमोटा
–ओला	आम, खाट, माँझ, साँप	अमोला, खटोला, मँझोटा, सँपोला
–औटा/औटी	काजर, पहला, बिल्ली, मुख, हिरन; कष, चाम	कजरौटा, पहिलौटा, बिलौटा, मुखौटा, हिरनौटा; कसौटी, चमौटी
–औड़ा	हाथ	हथौड़ा
–औता	काठ	कठौता
–क	ठंढ, ढोल, धड़, धम	ठंढक, ढोलक, धड़क, धमक
–का/की	एक, चार, छोटा, बड़ा; कण, लोटा	इक्का, चौका, छुटका, बड़का; कनकी, लुटकी
–टा	काला, चोर, नंगा, रोम	कलूटा, चोट्टा, लंगटा, रोंगटा
–ड़/ड़ा ड़ी	भूख, लंग; चर्म, टूक, दुख, पीछा, बच्छ, मुख; आँत, टाँग, पंख, पलंग	भुक्खड़, लंगड़; चमड़ा, टुकड़ा, दुखड़ा, पिछड़ा, बछड़ा, मुखड़ा; अँतड़ी, टँगड़ी, पँखड़ी, पलँगड़ी
–पन	अपना, गँवार, छोटा, पागल, फुर्तीला, बच्चा, बड़ा, लड़का, सूना	अपनापन, गँवारपन, छुटपन, पागलपन, फुर्तीलापन, बचपन, बड़प्पन, लड़कपन, सूनापन
–पा	अपना, बहिन, बूढ़ा, राँड़	अपनापा, बहिनापा, बुढ़ापा, रँडापा
–री	कोठा, मोटा	कोठरी, मोटरी
–ला/ली	ऊपर, धुंध, नीचे, पीछे, लाड़; खाज, टीका, डफ, सूप	उपरला, धुंधला, निचला, पिछला, लाड़ला; खुजली, टिकली, डफली, सुपली
–वन्त/वन्ती	गुण, धन, बल, रूप, शील; फूल	गुणवन्त, धनवन्त, बलवन्त, रूपवन्त, शीलवन्त, फुलवन्ती
–वाल/वाला	केजरी, धारी, प्रयाग; गाड़ी, धन, पढ़ना, बाजा, लड़का, लड़की, लोहा	केजरीवाल, धारीवाल, प्रयागवाल; गाड़ीवाला, धनवाला, पढ़नेवाला, बाजावाला, लड़कावाला, लड़कीवाला, लोहेवाला
–वाँ	पाँच, सात, आठ, नव	पाँचवाँ, सातवाँ, आठवाँ, नवाँ
–वा	बच्चा, बेटा, लोटा	बचवा, बेटवा, लोटवा
–सा	आप, तुम, मुझ, राम	आप-सा, तुम-सा, मुझ-सा, राम-सा

➢ प्रत्ययों के पूर्वोक्त वर्गीकरण *(कृत् व तद्धित)* को कई भाषाविद् उचित नहीं मानते हैं क्योंकि हिन्दी में कई प्रत्यय ऐसे हैं जो दोनों रूपों में आते हैं अर्थात् धातु में भी जुड़ते हैं और संज्ञा आदि शब्दों में भी जुड़ते हैं; जैसे—

एरा — लुट + एरा (कृत् प्रत्यय) = लुटेरा
चाचा + एरा (तद्धित प्रत्यय) = चचेरा

आई — पढ़ + आई (कृत् प्रत्यय) = पढ़ाई
भला + आई (तद्धित प्रत्यय) = भलाई

नी — कतर + नी (कृत् प्रत्यय) = कतरनी
ऊंट + नी (तद्धित प्रत्यय) = ऊंटनी

➢ ये भाषाविद् प्रत्ययों के वर्गीकरण के लिए ऐतिहासिक आधार को उचित ठहराते हैं।

➢ इतिहास या स्रोत के आधार पर हिन्दी प्रत्ययों को चार वर्गों में विभाजित किया जाता है —

(A) तत्सम प्रत्यय (B) तद्भव प्रत्यय
(C) देशज प्रत्यय (D) विदेशज प्रत्यय।

(A) तत्सम प्रत्यय

प्रत्यय	बोधक / अर्थ	उदाहरण
-आ	स्त्री. प्रत्यय; भाववाचक संज्ञा प्रत्यय	आदरणीया, प्रिया, माननीया, सुता, इच्छा, पूजा
-आनी	स्त्री० प्रत्यय	देवरानी, भवानी, मेहतरानी
-आलु	विशेषण प्रत्यय, वाला	कृपालु, दयालु, निद्रालु, श्रद्धालु
-इत	विशेषण प्रत्यय, युक्त	पल्लवित, पुष्पित, फलित, हर्षित
-इमा	भाववाचक संज्ञा प्रत्यय	गरिमा, नीलिमा, मधुरिमा, महिमा
-इक	विशेषण व संज्ञा प्रत्यय	दैनिक, वैज्ञानिक, वैदिक, लौकिक
-क	स्वार्थे, समूह	घटक, ठंढक, शतक, सप्तक
-कार	लिखने या बनाने वाला; वाला	पत्रकार; जानकार
-ज	जन्मा हुआ	अंडज, जलज, पंकज, पिंडज, देशज, विदेशज
-जीवी	जीनेवाला	परजीवी, बुद्धिजीवी, लघुजीवी, दीर्घजीवी
-ज्ञ	जाननेवाला	अज्ञ, मर्मज्ञ, विज्ञ, सर्वज्ञ
-तः	क्रियाविशेषण प्रत्यय	अंशतः, वस्तुतः, स्वतः, सामान्यतः
-तया	क्रिया विशेषण प्रत्यय	मुख्यतया, विशेषतया, सामान्यतया
-तर	तुलना बोधक प्रत्यय	उच्चतर, निम्नतर, सुन्दरतर, श्रेष्ठतर
-तम	सर्वाधिकता बोधक प्रत्यय	उच्चतम, निकृष्टतम, महत्तम, लघुतम
-ता	भाववाचक संज्ञा प्रत्यय	नवीनता, मधुरता, सुन्दरता
-त्व	भाववाचक संज्ञा प्रत्यय	कृतित्व, ममत्व, महत्व, सतीत्व
-मान्	विशेषण वाचक प्रत्यय	विद्यमान, सेव्यमान, बुद्धिमान
-वान्	वाला	गुणवान, धनवान, बलवान, रूपवान

(B) तद्भव प्रत्यय

प्रत्यय	बोधक / अर्थ	उदाहरण
-अंगड़	वाला	बतंगड़
-अंतू	वाला	रटंतू , घुमंतू
-अत	संज्ञा प्रत्यय	खपत, पढ़त, रंगत, लिखत
-आँघ	संज्ञा प्रत्यय	बिषाँघ, सड़ाँघ
-आ	भाववाचक	जोड़ा, फोड़ा, झगड़ा, रगड़ा
-आई	भाववाचक प्रत्यय	कठिनाई, बुराई, सफाई
-आऊ	वाला	खाऊ, टिकाऊ, पंडिताऊ, बिकाऊ
-आप/-आपा	भाववाचक प्रत्यय	मिलाप, अपनापा, पुजापा, बुढ़ापा, रँडापा
-आर/-आरा/ आरी	करनेवाला	कुम्हार, लुहार, चमार; घसियारा; पुजारी, भिखारी
-आलू	करनेवाला	झगड़ालू, दयालू
-आवट	भाववाचक प्रत्यय	कसावट, बनावट, बिनावट, लिखावट, सजावट
-आस	इच्छावाचक प्रत्यय	छपास, प्यास, लिखास, निकास
-आहट/-आहत	भाववाचक प्रत्यय	गड़गड़ाहट, घबराहट, चिल्लाहट; मलमनसाहत
-इन	स्त्री० प्रत्यय	जुलाहिन, ठकुराइन, तेलिन, पुजारिन
-इया	वाला; लघुत्व बोधक; स्त्री० प्रत्यय	कनौजिया, पर्वतिया, भोजपुरिया; चुटिया; चुहिया, डिबिया
-ई	वाला; स्त्री० प्रत्यय	घमंडी, लालची, ऊनी, सूती; घोड़ी, लड़की, नानी, चाची
-ईला	वाला	चमकीला, पथरीला, शर्मीला, हठीला
-एरा	वाला	कँसेरा, चचेरा, फुफेरा, बहुतेरा, ममेरा, लुटेरा
-औड़ा/-औड़ी	लिंगवाचक	पकौड़ा, मुगौड़ा, सेवड़ा, रेवड़ी
-जा	जन्मा हुआ	भतीजा, भांजा, आत्मजा
-ड़/-र	स्वार्थिक	चमड़ा, चमड़ी, बछड़ा, लँगड़ा, लोथड़ा
-त/-ता	भाववाचक, कर्मवाचक	चाहत, मिल्लत; आता, खाता, जाता, सोता
-पन	भाववाचक प्रत्यय	छुटपन, बचपन, बड़प्पन, पागलपन
-ल/-ला/-ली	विशेषण, अल्पार्थक	अगल, धुँधला, निचला, पिछला, टिकली, डफली, सुपली
-वाला	कर्तृवाचक, विशेषण	अपनेवाला, ऊपरवाला, खानेवाला, जानेवाला, तौंगेवाला, लालवाला

(C) देशज प्रत्यय

प्रत्यय	बोधक अर्थ	उदाहरण
-अक्कड़	वाला	घुमक्कड़, पियक्कड़, भुलक्कड़
-अड़	स्वार्थिक	अंघड़, भुक्खड़
-आक	भाववाचक	चटाक, धड़ाक, धड़ाका, धमाका, फटाक
-आटा	भाववाचक	खर्राटा, फर्राटा
-इयल	वाला	अड़ियल, दढ़ियल, सड़ियल

(D) विदेशज/ विदेशी प्रत्यय

(i) अरबी-फ़ारसी प्रत्यय

प्रत्यय	बोधक / अर्थ	उदाहरण
-आ	भाववाचक	सफेदा, खराबा
-आना	भाववाचक, विशेषण वाचक	जुर्माना, दस्ताना, मर्दाना, मस्ताना जनाना
-आनी	संबंधवाचक	जिस्मानी, बर्फ़ानी, रूहानी
-इयत	भाववाचक	अंग्रेज़ियत, असलियत, आदमियत इंसानियत, ख़ैरियत
-कार	करनेवाला	काश्तकार, दस्तकार, सलाहकार पेशकार
-खोर	खानेवाला	गमख़ोर, घूसख़ोर, रिश्वतखोर, हरामख़ोर
-गर/गरी/ -गिरी	करनेवाला	कारीगर, कीमियागर, बाज़ीगर; जादूगरी कुलीगिरी, बाबूगिरी,
-गार	करनेवाला	परहेज़गार, मददगार, यादगार, रोज़गार
-गाह	स्थानवाचक	ईदगाह, चरागाह, बन्दरगाह
-गी	भाववाचक संज्ञा प्रत्यय	गन्दगी, जिन्दगी, बंदगी
-चा/ची	वाला	देगचा, बगीचा, इलायची, डोलची संदूकची, बाबरची
-ज़ाद/-ज़ादा/ -ज़ादी	जन्मा	आदमज़ाद; हरामज़ादा, शाहज़ादा शाहज़ादी
-दाँ	जानने वाला	उर्दूदाँ, कब्रदाँ, कानूनदाँ
-दान/ -दानी	स्थिति वाचक, आधार	इत्रदान, कलमदान, पीकदान; गोंददानी, चायदानी
-दार	वाला	ईमानदार, कर्जदार, दूकानदार, मालदार, फौजदार
-नाक	वाला	खतरनाक, खौफनाक, दर्दनाक, शर्मनाक
-बाज़/ -बाज़ी	वाला	चालबाज़, धोखेबाज़, मुकदमेबाज़ चालबाज़ी, धोखेबाज़ी, मुकदमेबाज़ी
-बान	वाला	दरबान, बागबान, मेजबान
-मंद	वाला	अक्लमंद, जरूरतमंद, दौलतमंद
-साज	वाला	घड़ीसाज

(ii) अंग्रेज़ी प्रत्यय

प्रत्यय	बोधक/अर्थ	उदाहरण
-इज्म	वाद/ मत	कम्युनिज्म, बुद्धिज्म, सोशलिज्म, मार्क्सिज्म
-इस्ट	वादी/व्यक्ति	कम्युनिस्ट, बुद्धिस्ट, मार्क्सिस्ट, सोशलिस्ट

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. उपसर्ग का प्रयोग होता है—
(a) शब्द के आदि (आरंभ) में (b) शब्द के मध्य में
(c) शब्द के अंत में (d) इनमें से कोई नहीं

2. जो धातु या शब्द के अंत में जोड़ा जाता है, उसे क्या कहते हैं ?
(a) समास (b) अव्यय (c) उपसर्ग (d) प्रत्यय

3. 'प्रख्यात' में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(a) प्र (b) त (c) प्रख (d) आत
(बी०एड०, 1996)

4. 'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) प्र (b) प्रति
(c) प्रत्यु (d) इनमें से कोई नहीं
(रेलवे, 1997)

5. 'गमन' शब्द को विपरीतार्थक बनाने के लिए आप किस उपसर्ग का प्रयोग करेंगे ?
(a) उप (b) आ (c) प्रति (d) अनु
(रेलवे, 1997)

6. 'निर्वासित' में प्रत्यय है—
(a) इक (b) नि (c) सित (d) इत
(रेलवे, 1997)

7. 'लेखक' शब्द के अंत में कौन-सा प्रत्यय लगा हुआ है?
(a) क (b) इक (c) आक (d) अक
(रेलवे, 1997)

8. 'अनुज' शब्द को स्त्रीवाचक बनाने के लिए आप किस प्रत्यय का प्रयोग करेंगे ?
(a) इक (b) ईय (c) आ (d) ई
(रेलवे, 1997)

9. 'सुत्' शब्द को स्त्रीवाचक बनाने के लिए किस प्रत्यय का प्रयोग किया जाएगा ?
(a) ई (b) आ (c) ईय (d) इक
(रेलवे, 1997)

10. 'स्पृश्य' शब्द को विलोमार्थक वनाने के लिए किस उपसर्ग का प्रयोग करेंगे ?
(a) नि (b) अनु (c) अ (d) कु
(रेलवे, 1997)

11. 'प्रतिकूल' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयुक्त है ?
(a) प्र (b) परा (c) परि (d) प्रति
(रेलवे, 1998)

12. कौन-सा उपसर्ग 'आचार' शब्द से पूर्व लगने पर उसका अर्थ 'जुल्म' हो जाता है ?
(a) दुर (b) अति (c) निर् (d) अन्
(रेलवे, 1998)

13. निम्नांकित में कौन-सा शब्द कृदन्त प्रत्यय से बना है ?
(a) रंगीला (b) बिकाऊ (c) दुधारू (d) कृपालु
(रेलवे, 1998)

14. किस शब्द में 'आवा' प्रत्यय नहीं है ?
(a) दिखावा (b) चढ़ावा (c) लावा (d) भुलावा
(बी०एड०, 1996)

15. इनमें कौन-सा शब्द समूहवाचक प्रत्यय नहीं है ?
(a) लोग (b) गण (c) वर्ग (d) प्रेस
(ग्राम पंचायत परीक्षा, 1998)

16. 'व्यवस्था' से पूर्व कौन-सा उपसर्ग लगायें कि उसका अर्थ विपरीत हो जाए ?
(a) अ (b) आ (c) अप (d) परि
(रेलवे, 1998)

17. निम्न में से किस शब्द में प्रत्यय का प्रयोग हुआ है ?
(a) विकल (b) अलक (c) पुलक (d) धनिक
(रेलवे, 1998)

18. निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय लगा हुआ है ?
(a) सागर (b) नगर
(c) अगर-मगर (d) जादूगर *(बी०एड०, 1999)*

19. किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?
(a) उपकार (b) लाभदायक
(c) पढ़ाई (d) अपनापन *(बी०एड०, 1999)*

20. 'अनुवाद' में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(a) अ (b) अन (c) अव (d) अनु
(रेलवे, 2000)

21. 'निर्वाह' में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(a) नि (b) निः (c) निर (d) निरि
(बी०एड०, 2000)

22. हिन्दी में 'कृत' प्रत्ययों की संख्या कितनी है ?
(a) 28 (b) 30 (c) 42 (d) 50
(रेलवे, 2001)

23. 'कृदन्त' प्रत्यय किन शब्दों के साथ जुड़ते हैं ?
(a) संज्ञा (b) सर्वनाम (c) विशेषण (d) क्रिया
(सब-इंसपेक्टर परीक्षा, 2001)

24. निम्नलिखित पद 'इक' प्रत्यय लगने से बने हैं। इनमें से कौन-सा पद गलत है ?
(a) दैविक (b) सामाजिक (c) भौमिक (d) पक्षिक
(रेलवे, 2001)

25. किस शब्द की रचना प्रत्यय से हुई है ?
(a) अभियोग (b) व्यायाम
(c) अपमान (d) इनमें से कोई नहीं
(रेलवे, 2002)

26. 'बेइंसाफी' में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(a) बे (b) इन (c) बेइ (d) बेइन
(रेलवे, 2002)

27. निम्नलिखित में से उपसर्ग रहित शब्द है—
(a) सुयोग (b) विदेश
(c) अत्यधिक (d) सुरेश *(बी०एड०, 2003)*

28. 'बहाव' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय कौन-सा है ?
(a) बह (b) हाव (c) आव (d) आवा
(रेलवे, 2003)

29. 'विज्ञान' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(a) विज्ञ (b) ज्ञान (c) वि (d) अन
(बी०एड०, 2004)

30. 'चिरायु' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(a) चि (b) चिर (c) यु (d) आयु
(बी०एड०, 2004)

31. 'धुंधला' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है—
(a) धुं (b) धुंध
(c) ला (d) इनमें से कोई नहीं
(बी०एड०, 2004)

32. 'दोषहर्ता' में प्रत्यय का चयन कीजिए—
(a) हर्ता (b) हर (c) हत (d) हारी
(बी०एड०, 2004)

33. किस शब्द में उपसर्ग नहीं है ?
(a) अपवाद (b) पराजय (c) प्रभाव (d) ओढ़ना
(बी०एड०, 2005)

34. संस्कार शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?
(a) सम् (b) सन्
(c) सम्स (d) सन्स
(प्रवक्ता भर्ती परीक्षा, 2006)

35. 'पुरोहित' में उपसर्ग है—
(a) पुरस् (b) पुरः (c) पुरा (d) पुर

36. 'अवनत' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है—
(a) नत (b) अ (c) अव (d) अवन

37. 'सावधानी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है—
(a) ई (b) इ (c) धानी (d) आनी

38. 'कनिष्ठ' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है—
(a) इष्ठ (b) इष्ट (c) ष्ठ (d) ष्ट

उत्तरमाला

1. (a)	2. (d)	3. (a)	4. (b)	5. (b)	6. (d)	7. (d)	8. (c)	9. (b)	10. (c)	11. (d)	12. (b)
13. (b)	14. (c)	15. (d)	16. (a)	17. (d)	18. (d)	19. (a)	20. (d)	21. (c)	22. (c)	23. (d)	24. (d)
25. (d)	26. (a)	27. (d)	28. (c)	29. (c)	30. (b)	31. (c)	32. (a)	33. (d)	34. (a)	35. (b)	36. (c)
37. (a)	38. (a)										

व्याख्यात्मक उत्तर

22. (c) हिन्दी के प्रसिद्ध वैयाकरण पं. कामता प्रसाद गुरु ने हिन्दी में 'कृत' प्रत्ययों की संख्या 42 मानी है।

★★★